रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

रक्षा के क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भर की राह पर बढ़ रहा देश –डॉ. पारितोष मालवीय
विश्वविद्यालय में "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" सप्ताह के अंतर्गत मॉडल प्रतियोगिता के साथ वैज्ञानिक व्याख्यानों का हुआ आयोजन

जबलपुर 25 फरवरी। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत एक सप्ताह चलने वाले राष्ट्रीय विज्ञानं दिवस के उपलक्ष में "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विज्ञान सर्वत्र पूज्यते, एक सप्ताह तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी मेगा विज्ञान उत्सव का आयोजन पुरे विधि विधान से मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं विज्ञान भारती महाकौशल विज्ञान परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजन समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. एन.के. शिवहरे, डॉ. एस.एन. रजक, डॉ. सुनीता शर्मा, डॉ. निपुण सिलावट ने बताया कि माननीलय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के मार्गदर्शन में आयोजन की श्रृंखला में आज 25 फरवरी को विवि के नवनिर्मित महिला अध्ययन केन्द्र हॉल में विद्यार्थियों के लिए मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें स्कूल–कॉलेजों के विद्यार्थियों ने लगभग एक सैंकड़ा से अधिक विज्ञान आधारित मॉडल प्रदर्शित किये। इस दौरान निर्णायक के रूप में विज्ञानी प्रो. आर.सी. मौर्य, प्रो. मीरा रामरख्यानी, प्रो. राजेश्वरी राणा मौजूद रहे।

रक्षा के क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भर हो रहा भारत–

आयोजन के मौके पर विवि के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजित वैज्ञानिक व्याख्यान की श्रृंखला में सर्वप्रथम डॉ. पारितोष मालवीय,सहायक निदेशक (राजभाषा) रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, ग्वालियर ने "भविष्य की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी" पर डीआरडीओ में आत्मनिर्भरता विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि डीआरडीओ भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय का आर एंड डी विंग है, जो अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों और महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए भारत को सशक्त बनाने के लिए एक दृष्टि के साथ है, जबकि हमारे सशस्त्र बलों को राज्य के साथ लैस करता है। डीआरडीओ ने आत्मनिर्भरता भारत की ओर कदम बढ़ाते हुए मिसाइलों में अग्नि और पृथ्वी श्रृंखला जैसे रणनीतिक प्रणालियों और प्लेटफार्मों के सफल स्वदेशी विकास और उत्पादनय हल्के लड़ाकू विमान, तेजसय मल्टी बैरल रॉकेट लांचर, पिनाकाय वायु रक्षा प्रणाली, आकाशय रडार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली की एक विस्तृत श्रृंखलाय आदि को तैयार किया है। आज, डीआरडीओ 50 से अधिक प्रयोगशालाओं का एक नेटवर्क है, जो विभिन्न विषयों को कवर करने वाली रक्षा प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में लगे हुए हैं, जैसे कि

वैमानिकी, आयुध, इलेक्ट्रॉनिक्स, लड़ाकू वाहन, इंजीनियरिंग सिस्टम, इंस्ट्रूमेंटेशन, मिसाइल, उन्नत कंप्यूटिंग और सिमुलेशन, विशेष सामग्री, नौसेना प्रणाली। जीवन विज्ञान, प्रशिक्षण, सूचना प्रणाली और कृषि। मिसाइलों, आयुध, प्रकाश का मुकाबला करने वाले विमान, रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली आदि के विकास के लिए कई प्रमुख परियोजनाएं हाथ में हैं और ऐसी कई तकनीकों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां पहले ही हासिल की जा चुकी हैं।

जादूई गणित से उत्साहित हुए विद्यार्थी–

विवि प्रेक्षागृह में मोटीवेशनल स्पीकर एवं ट्रेनर, लेखक इंजी. बीएन राव, रायपुर ने विद्यार्थियों को रोचक तरीके से जादुई गणित के बारे में जानकारी प्रदान की जिससे विद्यार्थी उत्साहित हो गए। प्रतियोगिताओं व व्याख्यान के आयोजन के दौरान आयोजन समिति समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के डॉ. एन.के. शिवहरे, डॉ. एस.एन. रजक, डॉ. निपुण सिलावट, प्रो. एसएस संधू, डॉ प्रो. सुनीता शर्मा, प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. धीरेंद्र पाठक, श्री प्रभात दुबे, प्रो. मुक्ता भटेले, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ, मीनल दुबे, इंजी. महावीर त्रिपाठी, डॉ. दीपेन्द्र सिंह, डॉ. एस.पी. त्रिपाठी, सम्राट बोस, सुनील चौधरी, रितेश चौरसिया, डॉ. रश्मि चौबे, अमन सिंह, निरंजन ठाकुर, डॉ. मनीला भाटिया, डॉ. अनूप तिवारी मेकलसुता डिंडौरी कॉलेज प्राचार्य डॉ. बीएल द्विवेदी आदि का सक्रिय योगदान रहा।

चलायमान विज्ञान प्रदर्शनी एवं साइंस फिल्म फेस्टिवल आज

"विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" आयोजन के स्थानीय कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, सह समन्वयक डॉ. एन.के. शिवहरे, एस.एन. रजक, डॉ सुनीता शर्मा एवं निपुण सिलावट ने बताया कि में "विज्ञान सर्वत्र पूज्यते" सप्ताह के अंतर्गत 26 फरवरी 2022, शनिवार को भविष्य की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन प्रातः 11.30 बजे से आयोजित होगी एवं वैज्ञानिक व्याख्यान अपरांह 2.00 बजे से आयोजित होगा। इस अवसर पर विशेष आकर्षण के रूप में आंचलिक विज्ञान केन्द्र भोपाल की ओर से 'चलायमान विज्ञान प्रदर्शनी' साइंस ऑन व्हीकल के साथ विवि पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में साइंस फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया जायेगा, इसके अंतर्गत विज्ञान एवं प्रचार विभाग की ओर से चुनिंदा विज्ञान आधारित फिल्मों का प्रसारण होगा।